तर्ज- साजन मेरा उस पार है

धनी हमारे प्राणनाथ है
हम सब उन्हीं के सुन्दरसाथ हैं
1- श्री देवचन्द्र जी के तन में
सुन्दरबाई की आतम में
श्यामा जी ने किया वास है
2- श्री मेहेराज जी के तन में
श्री इन्द्रावती की आतम में
पांचों सरूप साक्षात हैं
3- युगल स्वरूप आप विराजे हैं
अंग अंग सुन्दरसाथ साजे हैं
उम्मत ये ही खासलखास है
4- वेद कतेबों में प्रमाण हैं
क्षर अक्षर आगे परमधाम है
रस्ता दिखाये निजनाम है
5- सबका मिटाया ये भरम है
सोई खुदा सोई ब्रह्म है
मुक्त किया संसार है

Nijanand App